



लोक सभा सचिवालय  
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध  
संसद भवन, नई दिल्ली  
**LOK SABHA SECRETARIAT**  
Press and Public Relations Wing  
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

**VICE PRESIDENT OF INDIA INAUGURATES PRERNA STHAL IN PARLIAMENT PREMISES/भारत के उपराष्ट्रपति व राज्य सभा सभापति ने संसद प्रांगण में प्रेरणा स्थल का लोकार्पण किया।**

...

**STATUES OF 15 LEADERS AND FREEDOM FIGHTERS ARE INSTALLED IN PARLIAMENT HOUSE COMPLEX WHO HAVE MADE IMPORTANT CONTRIBUTIONS TO NATION'S HISTORY, CULTURE AND FREEDOM STRUGGLE: LOK SABHA SPEAKER/संसद भवन परिसर में 15 महापुरुषों एवं महान स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएं स्थापित हैं जिनका देश के इतिहास, संस्कृति एवं स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान रहा है: लोक सभा अध्यक्ष**

...

**THESE STATUES IN PARLIAMENT COMPLEX ARE BEING INSTALLED AT ONE PLACE IN A BEAUTIFUL AND PICTURESQUE LAWNS: LOK SABHA SPEAKER/संसद परिसर में स्थापित प्रतिमाओं को एक स्थान पर सुंदर और मनोरम वाटिका में स्थापित किया जा रहा है: लोक सभा अध्यक्ष**

...

**THROUGH NEW TECHNOLOGY, LIFE STORIES AND MESSAGES OF GREAT LEADERS WILL BE AVAILABLE TO VISITORS: LOK SABHA SPEAKER/नई टेक्नोलॉजी के माध्यम से महापुरुषों की जीवनगाथा तथा सन्देश**

आगंतुकों के लिए उपलब्ध होंगे ताकि सभी को उनके जीवन दर्शन से प्रेरणा मिले:  
लोक सभा अध्यक्ष

...

**New Delhi 16 June 2024:** Vice President of India and Chairman, Rajya Sabha Shri Jagdeep Dhankhar inaugurated the newly constructed Prerna Sthal in front of Building Gate No. 7 of the Samvidhan Sadan, in the presence of Lok Sabha Speaker Shri Om Birla, Deputy Chairman, Rajya Sabha Shri Harivansh and Parliamentary Affairs Minister Shri Kiren Rijiju today. Members of Rajya Sabha and Lok Sabha also remained present on the occasion.

After the unveiling of the commemorative stone slab, the dignitaries offered floral tributes at the statues installed at Prerna Sthal.

Earlier, during an interaction with media persons, Shri Birla said that statues of 15 leaders and great freedom fighters are installed inside the Parliament House Complex who have made important contributions to the history, culture and freedom struggle of the nation. Noting that these statues were located at different places within the Parliament House Complex, he mentioned that it was difficult for the visitors to see all the statues. Shri Birla said that many visitors did not even know where these statues stood in the Parliament House Complex. He said that the main objective of the construction of Prerna Sthal is that these statues within the Parliament complex should be installed at one place in a beautiful and picturesque lawns. That is why it was decided to create a designated spot to ensure that the visitors could come and pay their respect to these great leaders.

Shri Birla added that after the inauguration of the new Parliament building last year, the work of beautification of the Parliament House Complex has been going on continuously. Mentioning that the Parliament House Complex comes under the jurisdiction of the Lok Sabha Speaker, Shri Birla informed that any work carried out within the complex, requires the approval of the Speaker of the Lok Sabha. Under this arrangement, the statues were shifted to Prerna Sthal.

Shri Birla informed that the broader plan for the Parliament House Complex includes transforming the area into a green belt with numerous gardens and water bodies, showcasing indigenous and seasonal plants to celebrate India's rich floral diversity. Additionally, to promote eco-friendly practices, battery-operated

vehicles have been introduced to transport MPs from the gates to the Parliament House.

Shri Birla said that there is also a plan to use the latest technologies to inform visitors to Parliament House Complex of the life stories of these Great leaders to ensure that people are inspired by their philosophy and teachings. As such, this place is named Prerna Sthal. He added that a large number of school and college students visit the Parliament House Complex who would take inspiration from the life philosophies of these great souls. Shri Birla expressed confidence that Prerna Sthal would prove to be an inspiring place for everyone. He further added that lawns and gardens have been laid around the statues at 'Prerna Sthal' where visitors would be able to easily pay tributes and also take inspiration from their life stories, which will be made available through a QR code.

Shri Birla further said that this is not the first time that statues have been shifted in the Parliament House Complex. Earlier, during the construction work of the new building of Parliament, the statues of Mahatma Gandhi, Pandit Motilal Nehru and Chaudhary Devi Lal ji were respectfully shifted to other places within the Complex. He also pointed out that during the last century, the Parliament House Complex has undergone many changes. From its original structure in the 1920s, the complex now consists of five buildings: the Parliament House of India, the Samvidhan Sadan, the Parliament Library Building, the Parliament House Annexe, and the Extension to Parliament House Annexe. During these changes, the statues and gardens have been moved respectfully, ensuring the prominence of the statues.

**नई दिल्ली 16 जून 2024:** भारत के उप राष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ ने आज संसद भवन परिसर में, लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, उपसभापति, राज्य सभा श्री हरिवंश एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजु की गरिमामयी उपस्थिति में बी. जी.-7, संविधान सदन के सामने नवनिर्मित प्रेरणा स्थल का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में राज्य सभा एवं लोक सभा के माननीय सदस्य भी उपस्थित रहे।

लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान शिलापट्ट के अनावरण के पश्चात गणमान्यजनो ने प्रेरणा स्थल में स्थापित प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इससे पहले, मीडियाकर्मियों से बात करते हुए श्री बिरला ने कहा कि संसद भवन परिसर के अंदर 15 महापुरुषों एवं महान स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएं स्थापित हैं और उनका देश के इतिहास, संस्कृति एवं स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह उल्लेख करते हुए कि ये प्रतिमाएं संसद भवन परिसर में अलग अलग स्थानों पर स्थित थीं जिससे आगंतुकों को इनके दर्शन करने में कठिनाई होती थी, श्री बिरला ने कहा कि सामान्य रूप से आगंतुकों को पता भी नहीं होता था कि संसद भवन परिसर में किन महापुरुषों की प्रतिमाएँ कहाँ स्थापित हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा स्थल के निर्माण का मुख्य उद्देश्य यह है कि संसद परिसर में स्थापित इन प्रतिमाओं को एक स्थान पर एक सुंदर और मनोरम वाटिका में स्थापित किया जाए। इसीलिए यह निर्माण किया गया कि संसद परिसर में आगंतुकों के लिए निर्दिष्ट भ्रमण स्थल का निर्माण हो, यहाँ आने वाले आगंतुक आयें और एक ही स्थान पर हमारे महापुरुषों का दर्शन करें और उन्हें श्रद्धांजलि दें।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष संसद के नए भवन के लोकार्पण के उपरांत संसद परिसर के सौंदर्यीकरण का कार्य निरंतर चल रहा है। यह उल्लेख करते हुए कि संसद भवन परिसर लोक सभा अध्यक्ष के क्षेत्राधिकार में आता है, उन्होंने कहा कि परिसर जो भी कार्य किए जाते हैं, उसके लिए लोक सभा अध्यक्ष की स्वीकृति आवश्यक होती है। इसी व्यवस्था के तहत प्रतिमाओं को प्रेरणा स्थल पर स्थानांतरित किया गया।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संसद भवन परिसर के कायाकल्प की व्यापक योजना में उद्यानों और जल निकायों के साथ एक हरित पट्टी में बदलना, भारत की वनस्पतियों की समृद्ध विविधता और स्वदेशी और मौसमी पौधों को लगाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए, सांसदों को गेट से संसद भवन तक ले जाने के लिए बैटरी चालित वाहनों की शुरुआत की जा रही है।

श्री बिरला ने बताया कि यह भी कार्य योजना है कि उन प्रतिमाओं के समीप नई टेक्नोलॉजी के माध्यम से उन महापुरुषों की जीवनगाथा, उनके सन्देश भी आगंतुकों के लिए उपलब्ध हों ताकि सभी को उनके जीवन दर्शन से प्रेरणा मिले, और इसीलिये इस स्थल का नाम

प्रेरणा स्थल दिया गया है। उन्होंने कहा कि संसद भवन में बड़ी संख्या में स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी भ्रमण के लिए आते हैं। युवा एवं छात्र इन महापुरुषों के जीवन दर्शन से प्रेरणा लें, यही प्रेरणा स्थल बनाने के पीछे उद्देश्य है। श्री बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके लिए यह स्थल एक प्रेरक स्थान साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि 'प्रेरणा स्थल' पर प्रतिमाओं के आसपास 'लॉन' एवं पुष्प वाटिकाओं का निर्माण किया गया है जहां आगंतुक सभी महापुरुषों को सुगमतापूर्वक अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे और QR कोड के माध्यम से उपलब्ध उनकी जीवनगाथा से प्रेरणा भी ले सकेंगे।

श्री बिरला ने यह भी बताया कि संसद परिसर में मूर्तियों का स्थानांतरण पहली बार नहीं हुआ है। इसके पहले भी संसद के नए भवन के निर्माण कार्य के दौरान महात्मा गाँधी, मोतीलाल नेहरू एवं चौधरी देवी लाल जी की प्रतिमाओं को परिसर में ही अन्य स्थान पर सम्मानपूर्वक स्थानांतरित किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पिछली शताब्दी में, संसद भवन परिसर में कई बदलाव हुए हैं। 1920 के दशक में अपनी मूल संरचना से, अब इस परिसर में पाँच इमारतें शामिल हैं: भारत का संसद भवन, संविधान सदन, संसद पुस्तकालय भवन, संसदीय सौध, और संसदीय सौध विस्तार। इन परिवर्तनों के दौरान, प्रतिमाओं और उद्यानों को सम्मानपूर्वक स्थानांतरित किया गया है, जिससे प्रतिमाओं की प्रमुखता सुनिश्चित की गई है।